

परमेश्वर अविनाशी है

स्तुति- परमेश्वर, उसके गुण, उसके नाम व उसके स्वभाव की स्तुति ।

विशेषता: परमेश्वर अविनाशी है

परिभाषा: आदि और अंत के बिना; हर समय विद्यमान; अनंत

शास्त्र(ओं): निर्गमन 3:14-15; भजन संहिता 90:1-2; 1 तीमुथियुस 1:17; प्रकाशितवाक्य 1:8

कबूल- धीमे स्वर में, क्षमा करने वाले परमेश्वर से अपने पापों को कबूल करना

यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। 1 यूहन्ना 1:9

धन्यवाद- यहोवा ने हमारे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए धन्यवाद करो।

हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:18

मध्यस्थता - दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर के पास आना।

अपने बच्चों के लिए - प्रत्येक माँ एक बच्चे को चुनती है। पहले वचन की प्रार्थना करें फिर एक प्रत्येक विषय के लिए प्रार्थना करें।

पवित्र शास्त्र: यहोवा, _____ तुझ पर सदा भरोसा रखे, क्योंकि तू सनातन चट्टान है। यशायाह 26:4

पहली माँ के बच्चे के लिए विशेष अनुरोध:

दूसरी माँ के बच्चे के लिए विशेष अनुरोध:

तीसरी माँ के बच्चे के लिए विशेष अनुरोध:

शिक्षक / स्टाफ: नीचे दिए गए वचन का अपने बच्चे के लिए उपयोग करें।

पवित्र शास्त्र: कि तू _____ की आंखें खोले, कि वह अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरे; कि वह पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो यीशु पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएं। प्रेरितों के काम 26:18

स्कूल से संबन्धित चिंता

1. अपने विद्यालय में जागृति और आत्मिक बेदारी के लिए प्रार्थना करें।
2. अपने स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
3. अपने स्कूल कि अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

MIPI चिंता

1. दुनिया भर में हर स्कूल प्रार्थना में शामिल हो ।
2. परमेश्वर इस सेवा को एकता में शुद्ध और निष्कलंक रखे व इसकी सुरक्षा करे।
3. मसीह के लिए अधिक बच्चों, स्कूलों व राष्ट्रों को प्रभावित करने के लिए, अनेक दान देनेवाले सेवकाई के साथ जुड़े।

याद रखें, इस समूह में जो प्रार्थना की जाती है, इसके भीतर ही रहता है!

